ऊर्जा मंत्री ने रखी अत्याधुनिक 66/11 केवी हस्तसाल ग्रिड की आधारशिला

पश्चिमी दिल्ली के 2 लाख उपभोक्ताओं को मिलेगी बेहतर पावर सप्लाई

- **बीआरपीएल के बेड़े का 78वां ग्रिड**
- **45 करोड़ की लागत से बनकर तैयार होगा यह ग्रिड**
- **क्षमता होगी 75 एमवीए**

नई दिल्लीः 21 फरवरी, 2012। पश्चिमी दिल्ली के तेजी से हो रहे विस्तार को देखते हुए, बीआरपीएल विकासपुरी डिविजन के हस्तसाल इलाके में एक ग्रिड स्टेशन बनाने जा रही है। दिल्ली के ऊर्जा मंत्री श्री हारून यूसुफ ने आज इस ग्रिड की आधरशिला रखी। इसके साथ ही, यह बीआरपीएल के बेड़े का 78वां ग्रिड बन गया, और इस इलाके का छठा ग्रिड। 66/11 केवी के इस विश्वस्तरीय ग्रिड को बनाने में 45 करोड़ रूपये की लागत आएगी। यह 75 एमवीए क्षमता वाला ग्रिड होगा, जो आने वाले दिनों में पश्चिमी दिल्ली के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आधारशिला समारोह में माननीय लोक सभा सांसद श्री महाबल मिश्रा, विधायक श्री नंद किशोर सेहरावत और पार्षद श्रीमती सरिता जिंदल भी उपस्थित थीं।

माननीय उर्जा मंत्री श्री हारून यूसुफ ने कहा– तेजी से विकसित हो रहे इस इलाके की आवासीय और व्यावसायिक जरूरतों को यह ग्रिड पूरा करेगा। हमें भरोसा है कि बीआरपीएल बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने में तो अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी ही, साथ ही विभिन्न इलाकों के विकास में भी उसकी बराबर की भागीदारी रहेगी।

बीआरपीएल सीईओ श्री गोपाल सक्सेना ने कहा– इस 66/11 केवी ग्रिड स्टेशन की कुल क्षमता 75 एमवीए की होगी। मतलब यह कि इसमें 25 एमवीए के तीन ट्रांसफॉर्मर लगे होंगे। 25 एमवीए के दो ट्रांसफॉर्मर तो अभी लगाए जाएंगे, और एक ट्रांसफॉर्मर बाद में। ऐसी व्यवस्था इसलिए की गई है, ताकि यह ग्रिड वर्तमान के साथ–साथ, भविष्य की जरूरतों को भी पूरा करने में सक्षम हो सके। हम 12 महीने के भीतर इस ग्रिड के निर्माण का काम पूरा कर लेंगे।

श्री सक्सेना ने कहा– वर्तमान में हस्तसाल इलाके में बिजली का लोड 30 एमवीए (27.6 मेगावॉट) है। इस जरूरत को पांच अलग–अलग ग्रिड स्टेशनों से पूरा किया जाता है। ये पांचों ग्रिड स्टेशन हस्तसाल से अच्छी–खासी दूरी पर हैं। इसलिए, नया ग्रिड इस इलाके में ही बनाया जा रहा है, ताकि इलाके के निवासियों को और बेहतर व निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। हस्तसाल, उत्तम नगर, किरण गार्डन, मोहन गार्डन, मिलाप नगर, ओम विहार फेज 1–5, विजय विहार, विकासपुरी, विपिन गार्डन, भगवती गार्डन और आसपास के इलाकों के करीब 2 लाख उपभोक्ताओं को नए ग्रिड से फायदा होगा।

क्या होगा इस ग्रिड में खासः

इस ग्रिड में वर्ल्ड क्लास टेक्नोलॉजी इस्तेमाल की जाएगी, जिसके ऑपरेशन का स्टैंडर्ड पश्चिमी देशों के ग्रिड स्टेशनों जैसा होगा। शुरूआत में इस ग्रिड में दो ट्रांसफॉर्मर लगाए जाएंगे, जिनमें से एक पावर सप्लाई के लिए होगा, जबकि दूसरा बैकअप के तौर पर काम करेगा। यदि पावर सप्लाई वाले ट्रांसफॉर्मर में कोई खराबी आ जाती है, तो बैकअप ट्रांसफॉर्मर अपने आप काम करना शुरू कर देगा। जब ग्रिड में तीसरा ट्रांसफॉर्मर जुड़ जाएगा, तो दो ट्रांसफॉर्मर बिजली आपूर्ति के लिए होंगे, जबकि तीसरा बैकअप होगा। यह ग्रिड भी सीधे बालाजी एस्टेट स्थित स्काडा सेंटर से जुड़ा होगा, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि ब्रेकडाउन व शिकायतों आदि का समाधान अविलंब हो। ग्रिड की तकनीकी सुरक्षा के लिए स्टेट ऑफ द आर्ट न्यूमेरिकल रिले सिस्टम लगा होगा। सिस्टम को और विश्वसनीय व प्रभावी बनाने के लिए भूमिगत 66 केवी फीड दी जाएगी। यह हरित ग्रिड होगा। इस ग्रिड में 42 किलोमीटर केबल लगेगी। यह ऑटोमैटेक, मानवरहित ग्रिड होगा और यह मानवीय हस्तक्षेप के बगैर ही संचालित होगा।

उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, बीआरपीएल लगातार अपने सिस्टम का आधुनिकीकरण करती रही है। इस क्रम में कंपनी ने 2863 करोड़ रूपये का निवेश किया है। जहां वर्ल्ड क्लास तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, वहीं कंपनी ने ईएचवी केबल्स के नेटवर्क में 56 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, वितरण ट्रांसफॉर्मर की क्षमता में 58 प्रतिशत, एलटी लाइन में 88 प्रतिशत, शंट कैपेसिटर्स में 72 प्रतिशत, 11 केवी फीडर्स में 40 प्रतिशत और ग्रिड्स की संख्या में 17 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।